दिए जाने वाले वर्ष में स्कूल लीविंग परीक्षा और प्राक विश्वविद्यालय परीक्षाएं प्रथम श्रेणी में पास की हों ।

४. छात्रवृत्ति प्रदान किए जाने पर, उत्तर-मैट्रिक स्तर के प्रारम्भ होने से ले कर उत्तर-स्नातक स्तर तक चालू रहेगी—शर्त यह रहेगी कि विद्यार्थी का अध्ययन-स्तर उस अवधि में प्रथम श्रेणी का रहे ।

५. इण्टरमीडिएट/स्नातक (ग्रेजुएट)/उत्तर-स्नातक (पोस्ट ग्रेजुएट), शोध अथवा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए छात्रवृत्ति की दर क्रमश: ५०`०० रु०, ७५ ०० रु० और १००`०० रु० प्रति मास होगी।

६. छात्रवृत्ति देने के लिए क्षमता की सीमा भी निर्धारित की गई है और केवल वे ही उम्मीदवार पूरी छात्रवृत्ति पाने के पात्र होंगे जिनके माता-पिता की आय ५०० ०० रु० प्रति मास से अधिक न हो ।

THE MINISTER OP EDUCATION (DR. K. L. SHRIMALI): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) A statement containing the main features of the Scheme is laid on the Table of the House.

STATEMENT

Salient features of the scheme of Award of Merit Scholarships to the Children of Primary and Secondary School Teachers

(b) and (c):

1. As a measure of recognition of the important services rendered by the working Primary and Secondary School teachers, including teachers employed in the institutions for the Handicapped, the Government of India have included in" the Third Five Year Plan a Scheme for the award of 500 merit scholarships every year during the Plan period to enable meritorious children of such teachers to pursue TTniversity education.

2. The awards have been distributed among the various States on the basis of the number of Primary and Secondary School Teachers in each State and the selection of candidates will be strictly in order of merit from among those who apply from within a State.

3. Only those who pass the school leaving and Pre-University examinations in First Class in the year in which the awards are made, will be eligible to compete.

4. A scholarship once awarded will be tenable from the start of the Post-Matriculation stage till the Post Graduate stage, subject to first class performance during the period of study.

5. The rate of payment for Intermediate/Graduate/Post Graduate, Research or Professional Courses is Rs. 50, Rs. 75 and Rs. 100 p.m. respectively.

6. A Means test is also prescribed and odiiy those the income of whose parents does not exceed Rs. 500 p.m. will be eligible for the full award.]

सोने का चोरी से लाया जाना

*११५. श्रीमती शान्ति देवी : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन मास में देश में चोरी से लाया गया कितना सोना पकड़ा गया ; और

(ख) क्या उन स्थानों का कोई पता लग सका है, जहां से सोना चोरी से लाया जाता है और वे स्थान कौन कौन से है ?

SMUGGLING OF GOLD

•115. SHRIMATI SHANTI DEVI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the quantity of gold smuggled in the country which was seized during the last three months; and

t[] English translation.

(b) whether the place$_3$ from where the gold is smuggled have been traced out and which ar$_e$ those places? J

वित्त उपमंत्री (श्री बी० आर० भगत): (क) १९६१ के मई, जून और जुलाई महीनों में चोरी-छिपे लाया गया लगभग २६,८७,००० रुपये की कीमत का २३७ किलोग्राम सोना पकड़ा गया।

(ख) सीमाशुल्क-अधिकारियों (कस्टम्स अथारिटीज़) द्वारा की गयी जांच-पड़ताल से पता चलता है कि सोना संभवत: हांगकांग, सिंगापुर, ब्रुनेई, मलय, फारस की खाड़ी के बन्दरगाहों, अदन, बेरुत, इटली, जर्मनी, स्विट्जरलैण्ड, पाकिस्तान, अफ़ग़ानिस्तान, गोआ, दमन और दीव से चोरी-छिपे लाया गया था।

t[THE DEPUTY MINISTER OF FINANCE (SHRI B. R. BHAGAT) : (a) About 237 Kgs of gold valued at Rs. 26,87,000 approximately was seized as smuggled during May, June and July, 1961.

(b) The investigations of the Customs authorities indicate that the gold was probably smuggled from Hongkong, Singapore, Brunei, Malaya, Persian Gulf ports, Aden, Beirut, Italy, Germany, Switzerland, Pakistan, Afghanistan, Goa, Daman and Diu.]

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर क्षेत्र में मिट्टी के तेल की खोजबीन

*११६. **श्रीमती शान्ति देवी** : क्या इस्पात, खान और ईंधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का इरादा उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर क्षेत्र में मिट्टी के तेल के सम्बन्ध में खोजबीन कराने का है ;

(ख) यदि हां, तो इस कार्य में अब तक क्या प्रगति हो चुकी है ; और

(ग) क्या इस सम्बन्ध मे किन्हीं स्थानों का निरीक्षण किया जा चुका है और यदि हां, तो वह कौन कौन से स्थान हैं ?

t[ ] English translation.

t [PROSPECTING OF OIL IN SHAHA-JAHANPUR AREA OF U. P.

*116. SHRIMATI SHANTI DEVI: Witf the Minister of STEEL, MINES AND-FUEL be pleased to state:

whether Government propose to undertake the prospecting of oil in the Shahjahanpur area in Uttar Pradesh;

if so, what progress has so far been made in this work; and

whether any places have been inspected in this cwhich are those places?]

खान तथा तेल मंत्री (श्री के० डी० मालवीय) : (क) से (ग) उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर क्षेत्र में तेल की खोज का कार्य प्रगति पर है। तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा गंगा वादी में अब तक किये गये भूकम्पीय सर्वेक्षण कार्य ने कटरागाड़ा क्षेत्र में, जो कि शाहजहांपुर से बरेली की तरफ लगभग १८ मील पर स्थित है, साधारण परिमाण की संरचना की विद्यमानता के कुछ चिह्न प्रकट किये हैं। इस संरचना के चिह्नों का समधिक भूकम्पीय-कार्य द्वारा अभी निश्चय किया जाना है। यह मालूम नहीं है कि क्या इस क्षेत्र की गहराई में तेल से युक्त अवसाद (sediments) विद्यमान हैं या नहीं। राम गंगा नदी के दूसरी ओर उसी प्रदेश में बदाऊं दाता-गंजधमोरा क्षेत्र में कटरागाड़ा संरचना से मिलती जुलती संरचना के कुछ अन्य चिह्न पाये गये हैं। इस क्षेत्र में पाये जाने वाले अवसाद (sediments) और संरचना की आकृति के बारे में सूचना प्राप्त करने के लिए बदाऊं के पास उझानी संरचना पर एक संचरनात्मक कुआं व्यधित किया गया है और एक दूसरे कुएं में व्यधन प्रगति पर है।